

(a) whether the production of natural rubber in the country will be able to meet the entire demand in the near future; and

(b) if not, whether Government propose to fill the gap between supply and demand by increased production of synthetic rubber and by resort to new plantation ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE) : (a) and (b). The production of natural rubber in the next two years will meet the demand of the rubber manufacturing industry. However, such demand is likely to go up when the additional licensed units go into production. Production of synthetic rubber in the proposed public sector unit will adequately cover the Fourth Plan demand for rubber.

कोटा, उदयपुर ब्रजमेर और जयपुर रेलवे स्टेशनों पर टूटे हुए माल डिब्बों की नीलामी के समय उपस्थित
• पार्टियां

7064. श्री लाल जी भाई :

श्री श्रीकार लाल बेरवा:

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में कोटा उदयपुर ब्रजमेर और जयपुर रेलवे स्टेशनों पर हुई नीलामी में किन-किन पार्टियों ने टूटे हुए माल डिब्बे खरीदे; और

(ख) माल डिब्बों की नीलामी से कितनी धाय हुई ?

रेल मंत्री (श्री के. हनुमन्तैया) : (क) एक सूची सभा पटक पर रखी है। [ग्रन्थालय में रखा गया देखिये संख्या L -3028-72]

(ख) कोटा	10,98,431 रुपये
उदयपुर	कुछ नहीं।
ब्रजमेर	18,18,220 रुपये
जयपुर	कुछ नहीं।

29,16,651 वर्ष

उदयपुर, कोटा और जयपुर के रेलवे अस्पतालों में दवाइयों का स्टॉक

7065. श्री लालजी भाई: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राजस्थान के उदयपुर, कोटा और जयपुर स्थित रेलवे अस्पतालों में दवाइयों का समुचित स्टॉक नहीं रहता है जिसके परिणाम स्वरूप तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है; और

(ख) यदि हाँ, तो उनकी कठिनाइयों को दूर करने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेल मंत्री (श्री के. हनुमन्तैया) : (क) उदयपुर, कोटा और जयपुर के रेलवे अस्पतालों में दवाइयों की कमी नहीं है। यदि देरी से सप्लाई किये जाने के कारण किसी खास दवा की कमी पड़ जाती है तो डॉक्टर अपने अधिकारों के अन्तर्गत इस दवा को स्थानीय बाजार से खरीद लेते हैं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

दक्षिण पूर्व रेलवे के कार्यालय को बिलासपुर से उड़ीसा ले जाना

7066. श्री बन्धूलाल चन्दाकर: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उनका मंत्रालय दक्षिण-पूर्व रेलवे के उप-महाप्रबन्धक के कार्यालय को मध्य प्रदेश स्थिति बिलासपुर से हटा कर उड़ीसा में बुबने-धर ग्रन्थवा किसी अन्य स्थान पर ले जाना चाहता है; और

(ख) यदि हां, तो इसका क्या कारण है?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) : (क) बिलासपुर में उप-महाप्रबन्धक का कोई कार्यालय नहीं है।

(ख) प्रपन नहीं उठता।

तेयड़ा स्टेशन (पूर्वोत्तर रेलवे) के समीप समीप एक रेलगाड़ी के 15 बाल बच्चों का उलटना

7067. श्री महावीरक सिंह शास्त्री : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिनांक 28 मार्च 1972 के नवभारत टाइम्स के अनुसार तेयड़ा रेलवे स्टेशन के समीप एक रेलगाड़ी के 15 बच्चे उल्ट गए; और

(ख) यदि हां, तो उनके क्या कारण थे तथा इसके परिणाम स्वरूप रेल विभाग को कितनी हानि हुई?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) : (क) यह दुर्घटना 25-3-72 को टेबरा स्टेशन पर हुई।

(ख) यह दुर्घटना रेल कर्मचारियों की गलती के कारण हुई। अनुमान है कि रेल सम्पत्ति को लगभग 42,500 रु० की क्षति हुई।

Holding up of Trains by Railway Staff

7068 SHRI B.K. DASCHOWDHURY:
SHRI V. MAYAVAN :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government have enquired into the incidents of holding up of trains by the Railway staff;

(b) if so, the outcome thereof; and

(c) the steps taken by Government in this regard ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : (a) to (c). The information is being collected and the same will be laid on the table of the Sabha.

Harijan Localities left out in Rural Electrification Programme

7069. SHRI S. MURUGANANTHAM: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state :

(a) whether Government have received complaints that in some areas Harijan localities in villages were left out in the rural electrification programme,

(b) if so, the number of complaints received;

(c) whether any investigation has been made into these complaints; and

(d) if so, the findings thereof and the action taken by Government in the matter ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI B.N. KUREEL): (a) to (d). As it was observed that some Harijan bastis adjacent to already electrified villages were not electrified because of unremunerative loads in these areas and constraint of financial resources of the State Electricity Boards the Government of India have introduced since December, 1971, a Special Scheme for electrification of such Harijan Bastis. According to this Scheme, loan assistance at concessional terms is being provided through the Rural Electrification Corporation to the State Electricity Boards for electrification of such Harijan Bastis. The loan carries an interest of 4 per cent per annum and is to be repaid over a period of 15 years. The Corporation has so far sanctioned ten such schemes of Andhra Pradesh, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra, Mysore, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu, West